पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- जनवरी, 2024

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:**
अनुलग्नक-I में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत मामले आदि:**
शून्य।

3. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित "अभियोजन के लिए स्वीकृति" के मामले:**
शून्य।

4. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के कार्य व्यवहार या स्थापित नीति में छूट दी गयी है:**
शून्य

5. **चालू स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):**
विशेष अभियान 3.0 के एक भाग के रूप में, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और इसके संस्थानों में जनवरी 2024 के महीने के दौरान स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियाँ की गईं।

6. **स्वायत्त निकायों के पुनर्गठन की स्थिति:**
मंत्रिमंडल ने दिनांक 13 जुलाई, 2022 को हुई अपनी बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन 5 स्वायत्तशासी निकायों का एक स्वायत्तशासी निकाय में विलय करने के लिए अपना अनुमोदन दे दिया। 26 दिसंबर, 2023 को पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद के संगम ज्ञापन तथा नियम-विनियम के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार के तहत सोसायटी के रजिस्ट्रार के कार्यालय में अम्ब्रेला स्वायत्तशासी सोसायटी 'पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद' का पंजीकरण कर दिया गया है।

7. **प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:**
समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

8. **स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:**
इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति (एसीसी) के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्यौरा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली (एवीएमएस) पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्यौरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

9. **ऐसे मामलों की सूची जिनमें मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है:**
इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

10. **माह के दौरान पास कर दिए गए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों का विवरण तथा मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन हेतु प्रतीक्षारत एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति :**
लागू नहीं।

****

अनुलग्नक-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021-26 की अवधि के दौरान 4,797 करोड़ रुपये की कुल लागत पर कार्यान्वयन के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की व्यापक योजना "पृथ्वी विज्ञान (पृथ्वी)" को मंजूरी दे दी। इस योजना में पांच चल रही उप-योजनाएँ अर्थात् "वायुमंडल और जलवायु अनुसंधान-मॉडलिंग प्रेक्षण प्रणाली और सेवाएँ (अक्रॉस)", "महासागर सेवाएँ, मॉडलिंग अनुप्रयोग, संसाधन और प्रौद्योगिकी (ओ-स्मार्ट)", "ध्रुवीय विज्ञान और हिमांक मंडल अनुसंधान (पेसर)", "भूकंप विज्ञान और भूविज्ञान (सेज)" तथा "अनुसंधान, शिक्षा, प्रशिक्षण और आउटरीच (रीचआउट)" शामिल हैं।
- आईएमडी ने 15 जनवरी, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में अपनी स्थापना और राष्ट्र सेवा का 150वां वर्ष मनाया। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्री जगदीप धनखड़ इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। श्री किरेन रिजीजू, माननीय केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह के दौरान गणमान्य व्यक्तियों द्वारा निम्नलिखित विमोचन किये गये:
    1) आईएमडी के विकास पर स्मारिका
    2) आईएमडी के विकास पर वृत्तचित्र फिल्म
    3) स्वदेशी रूप से विकसित निर्णय समर्थन प्रणाली (डीएसएस)
    4) पंचायत मौसम सेवा (पीएमएस)
    5) आईएमडी का मोबाइल ऐप
    6) जलवायु सेवाओं के लिए राष्ट्रीय ढांचा

- माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने ट्वीट में पिछले 150 वर्षों से देश के लिए आईएमडी की सेवाओं की सराहना की।
- माननीय प्रधानमंत्री जी ने 3 जनवरी 2024 को कदामत में एनआईओटी द्वारा स्थापित 1.5 लाख लीटर निम्न तापमान थर्मल विलवणीकरण (एलटीटीडी) संयंत्र का उद्घाटन किया।
- कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव के तत्वावधान में समुद्र विज्ञानी और हाइड्रोग्राफर सम्मेलन का दूसरा संस्करण 29 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई में शुरू हुआ। यह सम्मेलन 29-31 जनवरी 2024 तक चेन्नई और हैदराबाद में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव के सदस्य और पर्यवेक्षक देशों के समुद्र विज्ञान और जल विज्ञान संस्थानों के प्रमुखों ने भाग लिया।
- कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव के देशों के बीच समुद्रवर्ती सहयोग के तहत, मॉरीशस के दो वैज्ञानिकों और बांग्लादेश के एक वैज्ञानिक ने राष्ट्रीय ध्रुवीय और समुद्री अनुसंधान केंद्र, गोवा के नेतृत्व में भारत के 43वें अंटार्कटिक अभियान में भाग लिया।
- आईआईटीएम ने आर्कटिक में हिमाद्रि स्टेशन पर इलेक्ट्रिक फील्ड मिल सफलतापूर्वक स्थापित की।
- अंडरवाटर ध्वनिक ट्रांसड्यूसर कैलिब्रेशन के लिए राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए नामित संस्थान का दर्जा प्राप्त करने के भाग के रूप में सीएसआईआर-एनपीएल और एनआईओटी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- फरवरी 2024 के दौरान पूरे देश में मासिक वर्षा सामान्य से अधिक (एलपीए का 119%) होने की संभावना है।

- फरवरी 2024 के दौरान देश के अधिकांश भागों में मासिक न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है।
- फरवरी 2024 के महीने के दौरान मध्य भारत के कुछ भागों में सामान्य से कम शीत लहर वाले दिन रहने की संभावना है।
- भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र पर प्रबल अल नीनो स्थितियाँ लगातार कमजोर होने और 2024 वसंत ऋतु के अंत तक ईएनएसओ तटस्थ स्थितियों में बदलने की संभावना है।

निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 7.6 मिलियन किसान सीधे ही परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ईमेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक चालू किए गए	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	*475	--	475
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	**429	--	429
एग्रो एडब्ल्यूएस	200	--	196
ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) सोंडे आधारित रेडियो सोंडे (आरएस)/रेडियो विंड (आरडब्ल्यू) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	***41	--	35
ओजोन (ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	02	--	02
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	09	--	06
नेफेलोमीटर	12	--	09
स्काई रेडियोमीटर	20	--	13
ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23

वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च) (सफर)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	09 (दिल्ली) ****शून्य (मुंबई) शून्य (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग)	---	--	5096
विमानन	101	1	101
रेडिएशन स्टेशन	47	---	47

* स्थापित किए गए कुल 808 में से 333 पुराने हैं।

** स्थापित किए गए कुल 1382 में से 953 पुराने हैं।

***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडार सहित।

****फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

जनवरी, 2024 के दौरान, हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह के लिए राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत पूर्वानुमान (ईआरपी) (i) आईएमडी के दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ईआरपी समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) डिफेंस जियो-इनफोर्मेटिक्स रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (DGRE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) भारतीय नौसेना, (vii) जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी प्रादेशिक मौसम केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभागों को रियल टाइम में प्रदान किए गए । इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायु सेना को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए। माह के अंतिम गुरुवार अर्थात् 25 जनवरी, 2024 को फरवरी, 2024 के लिए मान्य मासिक औसत पूर्वानुमान भी प्रयोक्ताओं के लिए शामिल किए गए थे।

मासिक मौसम सारांश (जनवरी 2023)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महत्वपूर्ण घटनाएं

<u>**पश्चिमी विक्षोभ(WD):**</u>

कुल 4 पश्चिमी विक्षोभ (3-8 जनवरी, 7-11 जनवरी, 25-27 जनवरी और 29-31 जनवरी) भारत के सुदूर उत्तरी भागों में आए। 29-31 जनवरी के अंतिम पश्चिमी विक्षोभ को छोड़कर सभी उत्तर में रहे। 29-31 जनवरी का यह पश्चिमी विक्षोभ एक सक्रिय विक्षोभ था और इसके प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण के समर्थन से, दोनों कारण से 29-31 जनवरी की अवधि के दौरान जनवरी 2024 में ऋतु की पहली बारिश हुई। कश्मीर और आसपास के पश्चिमी

हिमालय क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश / बर्फबारी हुई और इसी अवधि के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के आसपास के मैदानी इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ तूफान और ओलावृष्टि हुई।

कोहरा:

1-31 जनवरी, 2024 के दौरान सिंधु-गंगा के मैदानों के अनेक भागों में महीने की लगभग सभी तारीखों के दौरान बड़े पैमाने पर घना कोहरा/कम ऊंचाई पर बादल छाए रहे। 31 जनवरी 2024 की रात से, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण पूरे क्षेत्र के अनेक भागों से बड़े पैमाने पर कोहरा/कम ऊंचाई वाले बादलों का आवरण हट गया, जिसने इस क्षेत्र को प्रभावित किया और 31 जनवरी 2024 की दोपहर से पूरे क्षेत्र में सतह के पास तेज़ हवाएँ चलीं। लगातार कोहरे और कम ऊंचाई पर बादलों की परत के कारण उत्तरी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार के कुछ भागों तथा उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा के अलग-अलग भागों में शीत दिवस से लेकर गंभीर शीत दिवस की स्थिति बनी रही, जो मुख्य रूप से 1 जनवरी से 29 जनवरी की अवधि के दौरान महीने में कई दिनों तक बनी रही। 31 जनवरी 2024 से इनमें से अधिकांश क्षेत्रों में यह समाप्त हो गई।

शीत लहर:

12-27 जनवरी: पंजाब के कुछ भाग, उत्तरी राजस्थान और निकटवर्ती हरियाणा; 13-20 जनवरी और फिर 26-27 जनवरी: उत्तर प्रदेश के भाग; 13-16 जनवरी: दिल्ली।

ख) वर्षा परिदृश्य:

जनवरी-2024 माह में पूरे देश में 7.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) 17.1 मिमी का 42 % है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएँ:

जारी की गई चेतावनी	**भारी/बहुत भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या (>64.4 मिमी): 15**
	वर्षा के लिए सही प्रतिशत (% में)> 64.4 मिमी
दिन 1 / 24 घंटे	98
दिन 2 / 48 घंटे	98
दिन 3 / 72 घंटे	98

घ) तापमान परिदृश्य :

पूरे देश के लिए जनवरी-2024 के महीने का औसत तापमान 20.12 डिग्री सेल्शियस था जो सामान्य से +0.48 डिग्री सेल्शियस अधिक था। महीने के दौरान देश के मैदानी भागों में अधिकतम तापमान 30 जनवरी 2024 को 37.6 डिग्री पुनालुर (केरल और माहे) में दर्ज किया गया था और न्यूनतम तापमान 11 जनवरी 2024 को सीकर (पूर्वी राजस्थान) में -0.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

ङ) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं:

माह के दौरान (माह की अंतिम तारीख को भारतीय मानक समय 08:30 बजे तक) गरजने और ओलावृष्टि की घटनाएं नीचे तालिका में दी गई हैं:

क्र.सं.	क्षेत्र	तूफान वाले दिन	ओलावृष्टि की घटनाएं	गरजने की घटनाएँ	धूल भरी आंधी
1.	दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत	7	शून्य	शून्य	शून्य
2.	उत्तरी पश्चिमी भारत	5	1 (31 जनवरी)	शून्य	शून्य
3.	पूर्वोत्तर भारत	6	2 (30-31 जनवरी)	शून्य	शून्य
4.	पूर्वी भारत	6	शून्य	शून्य	शून्य
5.	मध्य भारत	3	1 (8 जनवरी)	शून्य	शून्य
6.	पश्चिमी भारत	0	शून्य	शून्य	शून्य

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनी /प्रेस विज्ञप्तियां:
अखिल भारत मौसम बुलेटिन:- 124, अखिल भारत में प्रतिकूल मौसम अनुमान और चेतावनियां:- 124, संपूर्ण भारत में साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट:- 5, अगले 5 दिनों तक साइक्लोजेनेसिस पूर्वानुमान के साथ दैनिक उष्णकटिबंधीय मौसम पूर्वानुमान: 31, IMD के उप- कार्यालयों की परामर्शिकाओं (6 घंटे पर) सहित अगले 5 दिनों के लिए उत्तर हिंद महासागर में मछुआरों के लिए दैनिक चेतावनियां: 124 , भारतीय नौसेना के लिए अगले 12 घंटों के लिए बेड़े का पूर्वानुमान: 62, वैश्विक समुद्री आपदा सुरक्षा प्रणाली के तहत गहरे समुद्र में जहाजों के लिए अगले 36 घंटों के लिए बुलेटिन: 62, तत्काल पूर्वानुमान मार्गदर्शन के लिए विषम मौसम परामर्शिका बुलेटिन: 31 , पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए पर्वतीय मौसम बुलेटिन:- 62, उत्तर भारत के लिए जारी अखिल भारतीय बहु- संकट शीतकालीन मौसम चेतावनी बुलेटिन-31, वर्तमान तापमान स्थिति और चेतावनी बुलेटिन:-31, माह के दौरान जारी प्रेस विज्ञप्ति:- 50

प्रकाशन और प्रचालन रिपोर्टें:
1. दिसंबर 2023 महीने के लिए अल नीनो दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) बुलेटिन और दिसंबर से मार्च 2024 तक की अवधि के लिए दक्षिण एशिया के लिए ऋतुनिष्ठ जलवायु आउटलुक जारी किए गए।
(क्लिक लिंक:
https://imdpune.gov.in/cmpg/Product/ENSO_Bulletin/ENSO_IOD_Update_Bulletin_12_23.pdf

2. दिसंबर 2023 माह के लिए जलवायु सारांश जारी किया गया।

भूकंपविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक स्थापित	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपी केन्द्र	156	120

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप:
भारतीय क्षेत्र में 129 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 4 भूकंपों की तीव्रता 5.0 से अधिक थी।

सुनामी:
इस माह के दौरान सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाले 3 समुद्र तलीय भूकंप (6 से अधिक तीव्रता वाले) आए। यह सूचना भूकंप आने के 12 मिनट से कम समय में प्रदान की गई।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफॉर्म का प्रकार	माह के दौरान आरंभ किये गये	माह के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स	98	64
मूरेड बुयो	19	9
टाइड गॉज	36	33
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	8
एकॉस्टिक डॉपलर करंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	17
सुनामी बुयो	7	4
वेव राइडर बुयो	16	14

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं.	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	एकीकृत संभावित मत्स्यन क्षेत्र (PFZ) परामर्शिका (समुद्र सतह का तापमान (SST), क्लोरोफिल, पवन)।	31
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	21
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF)-लहर, पवन, धाराएं, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई) और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	31
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	0

आउटरीच एवं जागरुकता

- इंकॉइस ने 2004 हिंद महासागर सुनामी की 19वीं वर्षगांठ के संबंध में ओपेन हाउस प्रोग्राम, 9वें भारतीय अन्तरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF), तथा इंकॉइस के रजत जयंती समारोह की आउटरीच गतिविधियां की। विभिन्न महाविद्यालयों/संस्थानों/विश्वविद्यालयों/विद्यालयों के अधिकारियों/विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों में सहभागिता की।
- ITCOocean (एक UNESCO C2C) में 'फिशरी ओशनोग्राफी फॉर दि ओशन डिकेड (F.O.O.D.)' में प्रथम MEA-ITEC-वित्तपोषित प्रशिक्षण का आरंभ दिनांक 18 जनवरी 2024 को आरंभ हुआ, जिसमें सात (7) देशों से ग्यारह (11) प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

- इंकॉइस ने:
  - भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तट, अंडमान एवं निकोबार दीपसमूहों के लिए एक सौ इक्यावन (151) ऊंची लहर / महातरंग महोर्मि चेतावनी / अशांत सागर चेताविनयां जारी की।
  - इंकॉइस ने साउथ एशिया हाइड्रोमेट फोरम (SAHF), जिसका प्रशासन RIMES द्वारा किया जाता है, के लिए साप्ताहिक अपडेट्स प्रदान किए, जिसमें हिंद महासागर की समुद्री स्थिति के संबंध में विगत सप्ताह की ब्रीफिंग तथा आगामी सप्ताह में पूर्वानुमान की जानकारी (लहर, पवन, धारा, तरंग, समुद्री सतह का तापमान) शामिल हैं।
  - तीस (30) दिनों की ऐल्गल ब्लूम सूचना सेवा जारी की गई थी, तथा 3 दिवसीय अलर्ट सृजित किया।
  - जनवरी 2024 के प्रथम सप्ताह के दौरान माननीय प्रधानमंत्री जी के दौरे के दौरान लक्षद्वीप के लिए समुद्री स्थिति पूर्वानुमान जानकारी प्रदान की।

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय एवं इसके संस्थानों ने 75वां गणतंत्र दिवस मनाया।
- एनसीसीआर द्वारा कोस्टल बायो-जियो इंफॉरमेशन सिस्टम (CBIS) के अंतर्गत "पर्यावरण अनुकूल तकनीकों के माध्यम से तटीय बायो-शील्ड्स का पुनर्वास" हेतु द्वितीय लोक परामर्श बैठक का आयोजन दिनांक 10 जनवरी, 2024 को रामनाथपुरम में किया गया। इसमें तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों के विभिन्न गांवों से 50 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वेबसाइट एवं सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तृत अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) सम्बन्धी साप्ताहिक वीडियो जारी किया गया है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से पूर्वानुमान वीडियो क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए थे।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देशभर के अंदर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा दैनिक साक्षात्कार दिया गया।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनियां फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब सहित सोशल मीडिया एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।
- आईआईटीएम, पुणे द्वारा दिनांक 15-19 जनवरी 2024 के दौरान में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा किया जाना भी शामिल था। प्रयोगशाला की गतिविधियों के प्रदर्शन हेतु दिनांक 19 जनवरी 2024 को एचएसीपीएल महाबलेश्वर का दौरा भी किया गया।

प्रकाशन

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल 2023 – दिसंबर 2023	जनवरी 2024	कुल	अप्रैल 2023 – दिसंबर 2023	जनवरी 2024	कुल
वायुमण्डलीय विज्ञान	122	18	140	11	1	12
समुद्री विज्ञान एवं	83	7	90	4	0	4

प्रौद्योगिकी						
ध्रुवीय विज्ञान	21	6	27	0	0	0
भूविज्ञान एवं संसाधन	40	11	51	5	0	5
कुल	266	42	308	20	1	21

माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग

जलपोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	29	2	2
सागर मंजूषा	26	5	2
सागर तारा	24	7	2
सागर अन्वेषिका	22	9	2
सागर कन्या	0	31	0
सागर सम्पदा	0	31	0

अनुलग्नक II

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोधी रोड
नई दिल्ली 110 003
दिनांक: 6 फरवरी, 2024

प्रमाण पत्र
(माह जनवरी 2024 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति जनवरी, 2024 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क) एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार भरे हुए पदों की संख्या (सेंट्रल स्टाफिंग स्कीम के अंतर्गत नियुक्त 01 उप सचिव समेत)	-11
(ग) आज की तारीख की स्थिति के अनुसार पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ) अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-01
(ङ) आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-02

(धरकत आर. लुइकेंग)
उप सचिव
dharkat@nic.in